साई चरण में भेजी अर्ज़ी | By Sarita Verma

साई चरण में भेजी अर्ज़ी
इसमें है छिपी खुदगर्ज़ी
इसे पढ़ लेना या रख देना
साईं ये है तुम्हारी मर्ज़ी

लिखा है अर्ज़ी में मैंने साईं
अपने द्वार बुला लेना
अवगुण जितने हैं मेरे
अनजान समझ के भुला देना
कभी मान भी लो तुम बात मेरी
चले सदा तुम्हारी मर्ज़ी

लिखा है ये भी मैंने साईं
मैं अबला नादान हूँ
झूठ कपट का पुतला हूँ मैं
तमस भरा अभिमान हूँ
मन की आँखों से पढ़ लेना
है करुणा भरी ये अर्ज़ी

जगह है थोड़ी अर्ज़ी में
बस लिखा है मैं आभारी हूँ
मोह माया का पास में धन है
फिर भी एक भिखारी हूँ
जैसे सबकी अर्ज़ी पढ़ते हो
बाबा सबकी अर्ज़ी पढ़ते हो
पढ़ो साई मेरी भी अर्ज़ी

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%b8%e0%a4%be%e0%a4%88-%e0%a4%9a%e0%a4%b0%e0%a4%a3-%e0%a4%ae%e0%a5%87%e0%a4%82-%e0%a4%ad%e0%a5%87%e0%a4%9c%e0%a5%80-%e0%a4%85%e0%a4%b0%e0%a5%8d%e0%a4%9c%e0%a4%bc%e0%a5%80-by-sarita-verma/